शिवाजी कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
साहित्य संगम
हिंदी विभाग

वार्षिकोत्सव विशेषांक

शिवाजी कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
अमृत तु विद्या

तृतीय संस्करण
सत्र : 2022-23

अनुभवमणि

निर्देशक
डॉ. सर्वेश कुमार दुबे

तकनीकी सहयोग
रजनीश

संपादक
देवेंद्र सिंह

पॉपुलर रॉकस्टार कल्चर

फैशन के अनुसार मंच, ध्वनि और प्रकाश का प्रयोग किसी भी रॉकस्टार के अभिव्यक्ति में चार चांद लगाते हैं। लोकगीतों और लोकनृत्यों की थाप इन रॉकस्टार के सामने फीकी पड़ जाती है। युवा वर्ग का अंधानुकरण इस दिशा में इनकी सफलता को परिभाषित करने में सफल है।

शिवाजी कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में 'अंकित तिवारी' के द्वारा प्रस्तुत की गई संगीतमय शाम कौन भूल सकता है। न परिधान की परवाह, न भोजन की चिंता और भीड़ का अनुशासन को भंग करने का तरीका यह बताने के लिए काफी है कि कार्यक्रम कितना जोरदार था।

हिंदी विशेष के विद्यार्थियों को वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में अनुभव लिखने का कार्य असाइनमेंट के अंतर्गत दिया गया। कई विद्यार्थियों ने छाया चित्रों के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। असाइनमेंट के अंक अपनी जगह हैं, कुछ अभिव्यक्तियां विशेष पठनीय रहीं, उन्ही अभिव्यक्तियों को ई-पत्रिका का स्वरूप दिया जा रहा है। जिन विद्यार्थियों के असाइनमेंट स्वीकृत किए गए उन्हें पाठक पढ़ेगा और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेगा इसी आशा के साथ.....।

पत्रिका निर्देशक
डॉ. सर्वेश कुमार दुबे

संपादक की कलम से...

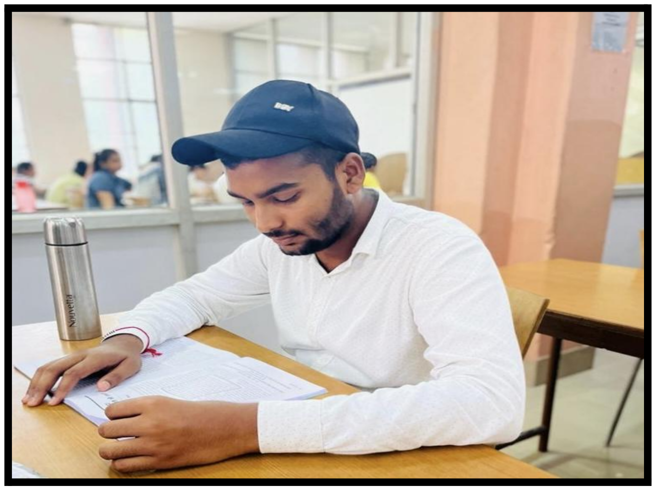

"किसी नई वस्तु का पूर्ण या आंशिक उत्पादनसृजनात्मकता है।"

- स्टेगनर

प्राचीन भारतीय आचार्यों ने सृजन के तीन हेतुओं की पहचान की – प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास। विद्यार्थी सामाजिक परिवेश में घट रही घटनाओं से सीखते हैं और कॉलेज की गतिविधियों में भाग लेते हुए चिंतन की प्रक्रिया से समृद्ध होते हैं। इस चिंतन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में सृजनात्मकता का संचार होता है।

शिवाजी कॉलेज के हिन्दी विभाग की पत्रिका "अनुभवमणि" विद्यार्थियों की इस अभिव्यक्ति का प्रकाशन करती है। प्रस्तुत पत्रिका में कॉलेज में हुए वार्षिकोत्सव की कुछ भावभीनी स्मृतियों को संजोने का एक लघु प्रयास किया गया है। जिसमे आकर्षण का केंद्र बिंदु था "वॉलीवुड के मशहूर गायक अंकित तिवारी का स्टेज शो "

इस पत्रिका की संसिद्धि इस पर नहीं है कि भविष्यद में यह कॉलेज में चर्चा का विषय बने या अधिकाधिक लोग पढें, परंतु इस बात पर नि:संदेह आश्रित है कि हमारे द्वारा अपने कॉलेज जीवन के आखिरी पड़ाव की कुछ स्मरणीय स्मृतियों को संजोने का न्यूनाधिक प्रयत्न किया गया।

अन्त में मैं अपने तकनीकी सहयोगी रजनीश और उन सभी सहयोगियों एवं मित्रों का हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूं , जिन्होंने इस पत्रिका को इस रूप में अवतरित करने में प्रत्यक्षाप्रत्य रूप में अपना अमूल्य योगदान दिया। विशेष रूप से मैं पूज्यनीय गुरुवर् डॉ. सर्वेश कुमार दुबे सर का संपूर्ण संपादक मंडल की तरफ से आत्मीय आभार प्रकट

करता हूं, जिनके कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के द्‌वारा ही यह दुष्कर कार्य सुगम एवं संभव हो सका। मैं उन सहयोगियों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं जिन्होंने बड़े हर्ष –पूर्वक अपनी प्रस्तुतियां प्रकाशन हेतु प्रेषित कीं।
धन्यवाद,

- देवेंद्र सिंह
संपादक

कॉलेज के वार्षिकोत्सव का अनुभव

"मुझे बताओ और मैं भूल जाता हूं, मुझे सिखाओ और मुझे याद होगा, मुझे शामिल करो और मैं सीखूंगा।"

- बेंजामिन फ्रैंकलिन

यह सुनहरे शब्द एक छात्र की यात्रा कॉलेज में प्रवेश शुरू करने से और एक उच्च उत्साही नेता के रूप में उभरने से संबंधित हो सकते हैं।

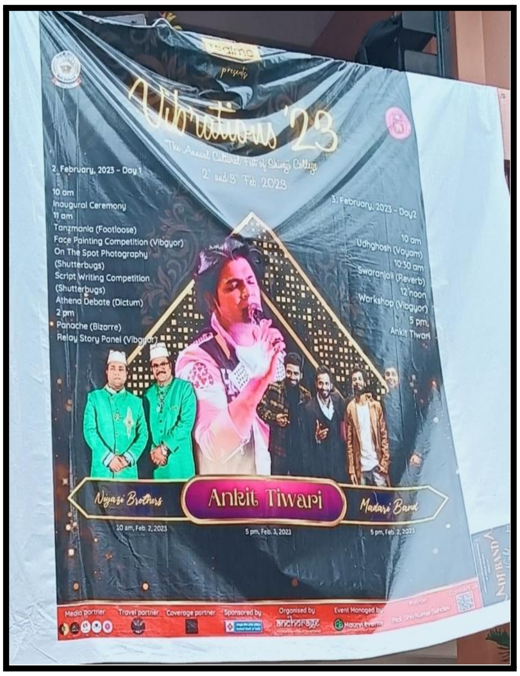

जीवंत कॉलेज जीवन उत्सव के बिना अधूरा है और छात्रों के जीवन का एक प्रमुख अंग है। यह अकादमिक कैलेंडर पर एक छाप छोड़ता है और छात्र व्यग्रता से तारीखों का इंतजार करते हैं।

संपूर्ण देश में कॉलेज उत्सवों को मनाने की संस्कृति व्यापक है। इसी कड़ी में हमारे 'शिवाजी महाविद्यालय' में वार्षिकोत्सव 'वाइब्रेशन - **23**' का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया।

दो दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री 'फग्गन सिंह कुलस्ते' ने किया। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार सहदेव, प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार और सांस्कृतिक

समिति की संयोजिका डॉ. नमिता कांत समेत तमाम प्रोफेसर, छात्र और कर्मचारी मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह के बाद नियाजी बंधुओं का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें शाहिद नियाजी और शामिल नियाजी ने अपनी ग़ज़लों और गीतो से तमाम श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसमें प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो की छाप तिलक सर्वाधिक उत्कृष्ट प्रस्तुति रही। इसका भरपूर आनंद मैंने अपने मित्रों के साथ लिया।

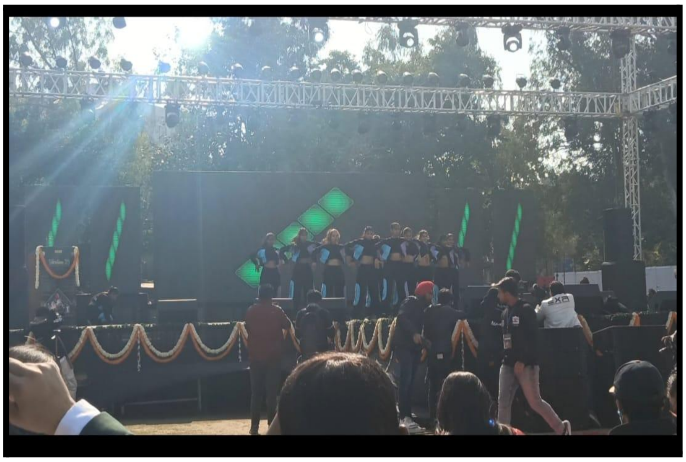

कॉलेज उत्सव एक छात्र के व्यवहारिक सीखने के अनुभव के क्षितिज का विस्तार है। कई छात्र पहल करते हैं और कॉलेजों की आंतरिक समितियों का हिस्सा बनते हैं।
इस कड़ी में शिवाजी के वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस ही कई समितियों द्वारा भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कॉलेज की पश्चिमी नृत्य समिति 'फुटलूज़' द्वारा 'तंज्मानिया' प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के तमाम कॉलेजों से दर्जनों प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया और अपने नृत्य-कौशल का प्रदर्शन किया।

इसके पश्चात 'विबग्योर' समिति के द्वारा 'फेस पेंटिंग' प्रतियोगिता, छायाचित्र समिति 'शटरबग्स' द्वारा छायाचित्र प्रतियोगिता, फैशन समिति द्वारा 'पंछी' नामक प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

तत्पश्चात कॉलेज की सर्वप्रतिष्ठित समिति 'डिक्टम' जो कि एक वाद-विवाद समिति है के द्वारा 'एथेना' नाम से एक वाद-विवाद प्रतियोगिता कराई गई जिसमें

किरोड़ीमल कॉलेज की 'यशी' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इन सभी प्रतियोगिताओं के पश्चात अध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा संयुक्त रूप से 'रैंप वॉक' किया गया, जो एक नवीन प्रयोग था। इसमें कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार सहदेव एवं अन्य अध्यापकों ने भी शिरकत की।

फिर दिवावसान के उपरांत 'मदारी बैंड' की प्रस्तुति आरंभ हुई जिसमें कलाकारों द्वारा मनमोहक संगीत एवं गायन का प्रदर्शन किया गया। इसमें एक गायक के द्वारा कई हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी, भाषाओं के गानों का गायन प्रस्तुत किया, जिन पर छात्र थिरकते नजर आए और काफी उत्साहित भी लग रहे थे। मैंने भी अपने सहपाठियों के साथ इस उत्कृष्ट प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया। इस तरह प्रथम दिवस का अवसान अत्यंत प्रेरणादायक एवं सुखद रहा।

"वार्षिकोत्सव का द्वितीय दिवस"

'वाइब्रेशन - 23' का द्वितीय चरण अगले दिन शिवाजी कॉलेज के नुक्कड़ नाटक समिति 'वयम्' के द्वारा प्रस्तुत 'उदघोष' कार्यक्रम के साथ आरंभ हुआ। जिसमें छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण संबंधित विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुति दी जिसका मुख्य उद्देश्य नाटक के माध्यम से समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। नाटक के अंत में नाट्य-कलाकारों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। मेरे लिए ऐसा प्रथम अनुभव था कि इतने सीमित संसाधनों से बिना किसी मंच व्यवस्था के अभिनय के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण संबंधी ज्वलंत मुद्दे के प्रति समाज में जागरूकता फैलाई जा सकती है।

बहुप्रतीक्षित क्षण : अंकित तिवारी 'स्टेज शो'

'वाइब्रेशन - 23' उत्सव का सभी के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र था - 'अंकित तिवारी का स्टार नाइट'। जिसके लिए छात्र अत्यंत उत्साहित एवं रोमांचित थे। जिससे सभी समय से पहले ही आयोजन स्थल पर पहुंच गए। इसी श्रृंखला में मैं भी अपने मित्रों के साथ समय से थोड़ा पहले ही पहुंच गया। अतः समय का सदुपयोग करने के लिए आगे की पढ़ाई के विषय में वार्ता की एवं उनसे

आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्राप्त किया। इसी बीच हम सभी लोग मिलकर कुछ छायाचित्र भी खींचे तथा मस्ती से ओतप्रोत कुछ वीडियो भी बनाए।

हालांकि कुछ समय इंतजार के बाद वह क्षण आ ही गया, जिसका सभी छात्र अत्यंत व्यग्रता के साथ प्रतीक्षा कर रहे थे। हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गायक अंकित तिवारी का 'स्टार नाइट' शो प्रारंभ हुआ जिसकी 'पावरपैक' प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी परफॉर्मेंस के दौरान छात्र-छात्राएं जमकर थिरकते नजर आए। साथ ही कॉलेज के अध्यापक भी अत्यधिक उत्साहित हो गए और अंकित तिवारी के गीतों पर झूमते दिखे।

इस दौरान कुछ छात्रों ने अवस्था फैलाने की भी कोशिश की परंतु कॉलेज के मजबूत प्रशासन एवं पुलिस ने नियंत्रण कर लिया लेकिन उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी।

इसी कड़ी में अंकित तिवारी ने अपना सर्वश्रेष्ठ गीत 'तेरी गलियां' गाया। जिस पर छात्रों ने अत्यंत जोश एवं जुनून के साथ नृत्य किया। मैंने

भी अपने मित्र गणों के साथ इस पल का आनंद लिया।

'स्टार नाइट' कार्यक्रम के पश्चात् 'वाइब्रेशन - 23' उत्सव यादगार लम्हों के साथ समाप्त हुआ। कॉलेज की संस्कृतिक समिति की संयोजिका डॉ. निमिता कांत और कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार सहदेव ने उत्सव की सफलता के लिए सभी का धन्यवाद किया।

समग्रत: कहा जा सकता है कि 'वाइब्रेशन - 23' का आयोजन काफी हद तक सफल रहा जिसमें छात्रों ने मौज मस्ती के साथ-साथ विभिन्न समितियों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करके अपनी कुशलता एवं उत्कृष्ट प्रतिभाओं का परिचय दिया। मेरे लिए 'नियाजी बंधुओं' के मधुर सूफियाना गीत एवं कव्वाली प्रस्तुति तथा नुक्कड़ नाटक के हृदयस्पर्शी नाट्य-प्रस्तुति अत्यंत प्रभावकारी प्रेरणादायक रही।

इस संपूर्ण उत्सव के दौरान अपने मित्रगणों के साथ व्यतीत यादगार लम्हे मुझे जीवनपर्यन्त स्मरण रहेंगे।
किसी शायर ने भी क्या खूब कहा है -

" जिंदगी चाहे कैसे भी हो ए दोस्त,
तेरे नाम होगी
कभी मांग कर तो देख
तेरी हथेली पर अपनी जान होगी"

देवेंद्र सिंह
तृतीय वर्ष

वाइब्रेशन **23** के अनुभव

शिवाजी कॉलेज वार्षिकोत्सव **Vibration'23** के अनुभव -

प्रत्येक विद्यालय व कॉलेज में अनेक अवसरों पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों जैसे- राष्ट्रीय, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, किंतु कॉलेजों में वर्ष के लगभग सत्र की समाप्ति के दौरान एक विशेष उत्सव का आयोजन किया जाता है जिसे वार्षिकोत्सव कहा जाता है, तथा इसी कड़ी में हमारे कॉलेज शिवाजी में **'Vibration 23'** का आयोजन किया गया।

वार्षिकोत्सव किस लिए -

विद्यालयों व कॉलेजों में मनाए जाने वाले वार्षिकोत्सव के कई प्रयोजन माने गए हैं अर्थात वार्षिक उत्सव मनाने के कई कारण होते हैं अपनी शिक्षा पूरी कर चुके छात्रों को प्रमाणपत्र आदि देकर विदा करना तो हर विद्यालय का प्रयोजन होता है। इसके अलावा वर्ष भर का लेखा-जोखा उपलब्धियों पर सामूहिक समारोह करना होता है इन सब के साथ-साथ वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशेष रूचि तथा कलात्मक प्रतिभा रखने वालों को भी अपनी कलाएं एवं रुचियां प्रदर्शित करने का अवसर भी प्राप्त होता है। इस बहाने बच्चों के अभिभावक भी कॉलेजों में जाकर अपने बच्चों की प्रगति को देख सकते हैं।

वार्षिकोत्सव की तैयारी -

प्रत्येक विद्यालय व कॉलेज संस्थान में वार्षिकोत्सव मनाने की तिथि पूर्व निर्धारित कर दी जाती है क्योंकि इससे संबंधित बहुत-सी तैयारियां करनी

पड़ती है तथा यह तैयारियां कॉलेज के छात्र व अध्यापक दोनों मिलकर करते हैं। हमारे शिवाजी कॉलेज का वार्षिकोत्सव **Vibration 23** का आयोजन **2-3** फरवरी को किया गया। तथा इससे लगभग 1 माह पूर्व भी कॉलेज में तैयारियों का दौर प्रारंभ हो गया था तथा विभिन्न सोसाइटीज अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गई थी तथा कॉलेज समिति जिसमें बहुत से अध्यापक शामिल थे उन्होंने भी अपना कार्य प्रारंभ कर दिया तथा कार्यक्रम से जुड़ी विभिन्न तैयारियों का कार्य भी प्रारंभ हो गया।

<u>मेरी व्यक्तिगत तैयारियां</u> -

मुझे वार्षिक उत्सव को लेकर विशेष उत्साह था क्योंकि मैं शिवाजी कॉलेज के एक छात्र होने के साथ-साथ **'डिक्टम'** शिवाजी कॉलेज **'वाद-विवाद समिति'** का महासचिव भी हूं तथा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी हम एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे थे तथा यह प्रतियोगिता ग्रीक देवी एथेना **(Athena)** जो ग्रीक सभ्यता में ज्ञान और बुद्धि की देवी है जैसे हमारी संस्कृति में **'मां सरस्वती'** हैं वही स्थान गिरीश सभ्यता में देवी एथेना का है।

किसी कारण 'डिक्टम' वाद-विवाद समिति इस प्रतियोगिता का आयोजन एथेना नाम से आयोजित करवाती है तथा इस वार्षिकोत्सव को भी इस प्रतियोगिता का आयोजन 2 फरवरी को होना पूर्व निर्धारित किया गया था। तथा जैसे ही इसकी तिथि निर्धारित की गई वैसे पूरी डिक्टम-समिति इसके आयोजन कार्यों में पूरे तन-मन-धन के साथ जुट गई। इसका आयोजन कराने में मुझ पर काफी दायित्व था क्योंकि मैं महासचिव होने के साथ-साथ तृतीय वर्ष का एक वरिष्ठ छात्र भी हूं। परंतु फिर भी पूरी डिक्टम समिति ने मिलकर एक दूसरे के साथ काम किया तथा हमने वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस एथेना कार्यक्रम का सफल आयोजन करवाया। इस कार्यक्रम में कुल **46** कॉलेजों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था तथा अंत में जीत किरोड़ीमल कॉलेज **(KMC)** के दल की हुए तथा अधिकतम समिति ने उन्हें पुरस्कार तथा अन्य प्रतिभागियों को कार्यक्रम में भाग लेने एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ विदा किया तथा हमारे सभी अध्यापकों जैसे- प्रीति मैम, रंगनाथ रवि सर आदि के सहयोग व मार्गदर्शन में हमने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन करवाया तथा सभी प्रतिभागियों व शिक्षकों ने इस कार्य के लिए पूरे

डिक्टम परिवार व समिति को शुभकामनाएं दी व कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा सभी के योगदान को सराहा।
इस प्रकार वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस मैंने बिताया तथा हमें आनंद के साथ-साथ बहुत कुछ सीखने को मिला।

अन्य कार्यक्रम -

डिक्टम की तरह शिवाजी महाविद्यालय की अलग-अलग सोसाइटियों के द्वारा अलग-अलग कार्यक्रम जैसे - पश्चिमी नृत्य संस्था **(FOOTLOOSE)** फुटलूज के द्वारा **Tanzmania** प्रतियोगिता तथा **VIBGYOR** द्वारा फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया तथा **SHUTTERBUGS (**छायाचित्रण संस्था**)** जिसका नेतृत्व हमारे कक्षा सहपाठी जैद अंसारी कर रहे थे उन्होंने छायाचित्रण प्रतियोगिता का एक सफल व मनमोहक आयोजन करवाया। मैं अपनी सोसाइटी में व्यस्त होने के कारण इनका भरपूर आनंद नहीं ले पाया परंतु उस दिन जब भी मुझे मौका मिला मैं अपने को नहीं रोक पाया तब मैंने विभिन्न कार्यक्रमों का आनंद उठाया।

तथा प्रथम दिवस हमारे कॉलेज के वार्षिकोत्सव में 2 मेहमानों नियाजी ब्रदर्स ने कार्यक्रम के प्रारंभ में 2 घंटे की संगीत प्रस्तुति दी। हालांकि मैं स्वयं सोसाइटी के कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण पूरे संगीत समारोह का आनंद नहीं ले पाया परंतु मध्य में जब मैं कॉलेज प्रांगण में आया तो नियाजी ब्रदर्स अमीर खुसरो की **'**छाप तिलक**'** को गा रहे थे तथा वह बहुत ही मनमोहक व शांति सुखाय प्रस्तुति दी इससे मेरा विशेष लगाव है क्योंकि मैं स्वयं साहित्य का छात्र हूं तथा अमीर खुसरो मेरे प्रिय लेखकों व कवियों में से एक है जिनको पढ़ना उनकी रचनाओं को सुनना है उसे मुझे व्यक्तिगत रुप से पसंद है।

शाम को जब लगभग सारी सोसाइटीज के कार्यक्रम समाप्त हो गए तथा हम सभी छात्र कॉलेज के ग्राउंड में पहुंचे तो सर्वप्रथम एक दूसरी सोसाइटीज के सदस्यों को उनके एक बेहतर कार्यक्रम आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी तथा हमने साथ में खाना खाया व कुछ समय तक ग्राउंड में बैठकर एक दूसरे के साथ हंसी मजाक व मस्ती की तथा तत्पश्चात शाम को मदारी बैंड की प्रस्तुति हुई जो भारतीय व विदेशी गानों की प्रस्तुति करते हैं। तथा रात्रि 9 बजे तक

हमने दोस्तों के साथ भारतीय व विदेशी गानों पर खूब नाचे व दोस्तों के साथ खूब मौज मस्ती की तथा इसी के साथ **'Vibration 23'** प्रथम दिवस का सुखद एवं मनमोहक अंत हुआ तथा हम सभी अपने-अपने गृह स्थानों के लिए विद्यालय परिसर से निकल पड़ें।

द्वितीय दिवस का अनुभव-

अक्सर जब हम एक दिन बहुत काम यहां मस्ती करते हैं तो अगला दिन हमारा शरीर आराम चाहता है परंतु Vibration 23 को लेकर हमारे मन में प्रथम दिवस से दूसरे दिन ज्यादा उत्साह था। आज मैं अपने दोस्तों के साथ दोपहर तक कॉलेज पहुंच गया तथा इस दिन हमारे कॉलेज में प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक अंकित तिवारी का स्टेज शो होने वाला था तथा इसको लेकर हम सभी बहुत उत्साहित थे तथा इस दिन कॉलेज में आम दिनों से ज्यादा चहल-पहल थी। सभी बच्चे तैयार होकर अपने दोस्तों के साथ कॉलेज के स्पोर्ट्स कंपलेक्स में पहुंचे तथा हमारे साथ हमारे कॉलेजों के दोस्त भी थे तथा कॉलेज में प्रवेश को लेकर प्रारंभ में छात्रों में और आयोजन समिति के मध्य कुछ विवाद भी हुआ परंतु बाद में सभी को प्रवेश की अनुमति दे दी गई। इस कार्यक्रम को लेकर ना सिर्फ छात्रों में बल्कि हमारे तमाम शिक्षकों में भी काफी उत्साह था तथा वह सभी भी अपने मित्रों व परिवार के सदस्यों के साथ कॉलेज प्रांगण में उपस्थित थे। उनमें भी कार्यक्रम को लेकर एक विशेष उत्साह था तथा हम अर्थात मैं व मेरे दोस्त भी आपस में मिले अंकित तिवारी के आने से पूर्व हम दोस्तों ने आपस में बहुत सा अच्छा समय बिताया हमने साथ में फोटो ली, खाना खाया, कई खेल खेले, आपस में बहुत सारी मौज मस्ती की तथा यह साथ बिताए क्षण हमें व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत याद रहेंगे क्योंकि यह साथ में कॉलेज में हमारा अंतिम वर्ष है तथा शायद फिर हम कभी सब दोस्त इस तरह भविष्य में साथ मिले ना मिले कह नहीं सकता। रात्रि में लगभग 8 बजे अंकित तिवारी का स्टेज शो प्रारंभ हुआ तथा हमने लगभग 2 घंटे सब कुछ बुलाकर दोस्तों के साथ खूब डांस किया। 10 बजे के मध्य यह कार्यक्रम समाप्त हो गया तथा हमारा मन नहीं कर रहा था कि कार्यक्रम बंद हो परंतु फिर भी हर चीज समय पर होनी आवश्यक होती है तथा कॉलेज आयोजन समिति ने निर्धारित समय पर कार्यक्रम बंद किया तथा हम सभी अपने-अपने घरों की तरफ प्रस्थान कर गए।

वास्तव में प्रत्येक विद्यालय वह कॉलेज के वार्षिकोत्सव का उद्देश्य मनोरंजन नहीं होता बल्कि सभी छात्र-छात्राओं की रुचि और प्रगति का लेखा-जोखा जानना होता है। इस आयोजन से सभी विद्यार्थियों को नए उत्साह और प्रेरणा की अनुभूति होती है। मैंने व्यक्तिगत रूप से इस कार्यक्रम से बहुत कुछ सीखा जैसे साथ मिलकर कैसे एक सफल कार्यक्रम का आयोजन करते हैं तथा तमाम नए लोगों से मिलने को जानने का मौका तथा एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कैसे करें आदि। इसके अलावा मैंने अपने दोस्तों के साथ खूब मस्ती की हम सभी ने साथ में बहुत से अच्छे लम्हे बिताए जो जीवनपयन्त हमें याद रहेंगे तथा हमारे कॉलेज के समय यादों को ताजा करते रहेंगे। तथा इन कार्यक्रमों के दौरान हमने प्शिक्षकों का एक नया अवतार या रूप देखा कि कैसे उनके अंदर का एक युवा छात्र आज भी जीवित है तथा जीवित रहना भी चाहिए क्योंकि -

"जिसकी मस्ती जिंदा है उसकी हस्ती जिंदा है,
वरना बाद में जबरदस्ती जिंदा है।"

मैं आशा करता हूं हमारे कॉलेज में ऐसे मनमोहक कार्यक्रम हमेशा होते रहेंगे।

राम कुमार
तृतीय वर्ष

शिवाजी महाविद्यालय वार्षिकोत्सव

परिचय

महाविद्यालय वार्षिक उत्सव प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है यह उत्सव प्रत्येक वर्ष फरवरी-मार्च के माह में मनाया जाता है। महाविद्यालय में इस उत्सव का आयोजन विशेष प्रकार से किया जाता है। इसमें अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय के सभी छात्र व छात्राएं भाग लेते हैं तथा अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं जैसे:-गायन, नृत्य, कविता वाचन, नुक्कड़ नाटक आदि दिखाए जाते हैं। यह कार्यक्रम 2 से 3 दिनों तक आयोजित किया जाता है।

प्रवेश

फेस्ट के अवसर पर कॉलेज को तथा प्रवेश द्वारों को फूलों तथा झालरों से सजाया गया था। कॉलेज के अंदर सुंदर-सी रंगोली बनाई हुई थी। कॉलेज के चारों और विभिन्न प्रकार के स्टाल तथा गैम के सेंटर तथा फोटो और आर्ट के सेशन भी थे।कॉलेज के सभी छात्र इस वार्षिक उत्सव में शामिल होने तथा इस का आनंद लेने के लिए विशेष रूप से तैयार हो रहे थे।

समारोह का प्रारंभ

प्रातः 10:00 बजे कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज वाइब्रेशन की शुरुआत सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन से की गई। साथ ही मां सरस्वती की वंदना तथा गणेश पूजा भी की गई। इसके साथ ही स्वागत समारोह का प्रारंभ भी किया गया।

स्वागत भाषण

स्वागत भाषण समारोह का प्रारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. श्री शिवकुमार सहदेव ने किया। उन्होंने कॉलेज के सभी छात्रों को वार्षिक सांस्कृत उत्सव कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

सुप्रसिद्ध संगीतकार

कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव के उपलक्ष मैं प्रसिद्ध गायक नियाजी ब्रदर्स, अंकित तिवारी तथा युवा बैंड सदस्य **(**मदारी बैंड**)** आमंत्रित किए गए थे।

विभिन्न प्रतियोगिताएं

कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जो निम्न प्रकार से थी-
फेस पैंटिंग प्रतियोगिता (विबग्योर) ,ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी, पटकथा लेखन प्रतियोगिता, एथेना डिबेट आदि प्रतियोगिताएं हुई। जिसमैं छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव (वाइब्रेशन)

शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय में फरवरी 2023 को अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव वाइब्रेशन का आयोजन किया गया।
श्री "फग्गन सिंह कुलस्ते**"** उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।
दो दिवसीय के इस महाउत्सव के पूर्व उद्घाटन सत्र। इस अवसर पर शिवाजी महाविद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार सहदेव एवं सांस्कृतिक समिति की समन्वयक डॉ. निमिता कांत सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

श्री कुलस्ते ने अपने संबोधन में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के बहुमुखी व्यक्तित्व को निखारने में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि :-
"इस तरह के आयोजन से यह साबित होता है कि छात्र की संगीत, नृत्य रचनात्मक लेखन, वाद-विवाद, नाटक आदि अन्य कलाओं के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं।"

वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव वाइब्रेशन

शिवाजी कॉलेज में फरवरी 2023 का वार्षिक उत्सव मनाया गया, इस वार्षिक उत्सव का आयोजन हर साल फरवरी माह में किया जाता है। शिवाजी कॉलेज में यह वार्षिक उत्सव इस वर्ष पूरे 2 दिन तक 2 फरवरी से 3 फरवरी तक आयोजित किया गया। शिवाजी कॉलेज के इस वार्षिक उत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विभिन्न कॉलेजों के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया तथा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

वाइब्रेशन (वार्षिक उत्सव) पहला दिन

सांस्कृतिक महोत्सव के प्रथम दिन इंटर कॉलेज प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई जिसमें एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग प्रतियोगिता, फैशन शो एवं रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के 3 दर्जन से अधिक कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। सुप्रसिद्ध सूफी गायक नियाजी ब्रदर्स अपनी ग़ज़ल और सूफियाना गीत और संगीत से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्सव का दूसरा दिन

सांस्कृतिक महोत्सव के दूसरे दिन की शुरुआत अधिक गंभीर और नाटकीय अंदाज में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के साथ हुई।

इसके बाद उत्साही भीड़ को एक सुप्रसिद्ध गायक अंकित तिवारी द्वारा एक शक्तिशाली प्रदर्शन के साथ व्यवहार किया गया। गायक अंकित तिवारी जी ने गायन की शुरुआत अपने एक अनोखे अंदाज में फिल्म "एक विलन" के एक हिट गाने "तेरी गलियां" साथ की। इसके बाद "सुन रहा है ना तू" तथा "जरा-सा" आदि जैसे लोकप्रिय बॉलीवुड गाने गाए। इनके गायन से पूरी भीड़ उत्साह से भरी हुई थी 1 घंटे से अधिक समय तक उनका शरीर थिरकता रहा।

मेरा अनुभव

शिवाजी कॉलेज का यह वार्षिक उत्सव मेरे लिए बहुत आनंदमय रहा। इस वार्षिक उत्सव का आनंद मैंने अपने मित्रों व अध्यापकों के साथ पूर्ण रूप से लिया। तथा कॉलेज के वार्षिक उत्सव में देखा की वार्षिक उत्सव में कॉलेज के अध्यक्ष विभिन्न विभाग के अध्यापक तथा कर्मचारी व विद्यार्थी किस प्रकार अपना योगदान देकर इस महोत्सव को संपूर्ण रूप से सफल करने का प्रयास करते हैं। इसका विशेष रुप से ध्यान दिया जाता है कि विद्यार्थी इस उत्सव का पूर्ण आनंद लेकिन तो नियमों अनुशासन के साथ।

कॉलेज के इस वार्षिकोत्सव मैं कई कॉलेजों से विद्यार्थी आए और इस वार्षिक उत्सव में हो रही प्रतियोगिता में भाग लिया तथा उत्सव का हिस्सा भी बने। हमारे बीच कुछ सुप्रसिद्ध गायक भी आए "नियाजी ब्रदर्स" और "अंकित तिवारी"। नियाजी ब्रदर्स में अपनी मधुर गायन शैली में सभी को बहुत प्रभावित किया। उनके गीतों, गजलों और संगीत से सभी मंत्रमुग्ध हो उठे थे। इसके बाद हमने कॉलेज के अंदर लगे गेम सेंटर विभिन्न प्रकार के स्टॉल, छात्रों द्वारा किए जा रहे नाटकों का प्रदर्शन भी देखा और कॉलेज के फेस्ट को और भी आनंद पूर्ण बनाने के लिए तस्वीरें भी ली गई। यह फर्स्ट पूरे 2 दिन का था और टेस्ट का दूसरा दिन तो सभी के लिए बहुत खास था क्योंकि सुप्रसिद्ध गायक अंकित तिवारी का कॉन्सर्ट होना था। अंकित तिवारी के गानों को सभी सुनने के लिए और उन्हें देखने के लिए सभी बहुत उत्सुक थे।

फिर शाम के समय अंकित तिवारी जी कि उनके एक अनोखे अंदाज में एंट्री हुई। उनकी एंट्री से ही सभी उत्साह से भरे हुए थे। सभी पूरे जोश में थे अंकित तिवारी को सुनने के लिए। इसके बाद अंकित तिवारी जी ने अपने गाने की

शुरुआत एक हिट गाने 'तेरी गलियां' से कि उनके पहले गाने से ही पूरी भीड़ में हलचल मची हुई थी यह हलचल 1 घंटे से भी अधिक समय तक चली। पूरे वर्ष कॉलेज में मैंने कभी इतनी भीड़ को नहीं देखा था पर कॉलेज के वार्षिक उत्सव के इन दिनों में कॉलेज के सभी विद्यार्थियों को इस उत्सव में शामिल होते हुए देखा।

तन्नु
तृतीय वर्ष

वार्षिकोत्सव वाइब्रेशन

शिवाजी कॉलेज में प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वार्षिक उत्सव को यूनिवर्सिटी फेस्ट के नाम से जाना जाता है और यह हर वर्ष हर यूनिवर्सिटी में मनाया जाता है। इस वर्ष 2 फरवरी 2023 से 3 फरवरी 2023 तक शिवाजी कॉलेज में यह उत्सव बनाया गया। इस वार्षिक उत्सव को 'वाइब्रेशन 23' नाम दिया गया यह उत्सव शिवाजी कॉलेज के कांपलेक्स में लगाया गया। जिसे देखने के लिए विभिन्न कॉलेज के छात्र आए।

मैं भी अपने मित्र के साथ 2 फरवरी 2023 को उत्सव देखने गया इस दिन फेस्ट का पहला दिन था। ज्यादातर छात्र शिवाजी कॉलेज के ही थे। सुबह 10:00 बजे उद्घाटन समारोह शुरू हुआ। शिवाजी कॉलेज के प्रिंसिपल ने उत्सव का उद्घाटन किया व सभी को बधाई दी। 11:00 बजे विभिन्न तरह के कल्चरल शो शुरू हो गए। फैशन सोसाइटी के छात्रों ने स्टेज पर बहुत धूम मचाया। हमारे प्रिंसिपल सर ने भी मूनवॉक में हिस्सा लिया और बच्चों का मनोबल बढ़ाया। यह दृश्य देखने वाला था फिर पूरे दिन कई तरह की प्रतियोगिताएं हुई फिर उत्सव में चार चांद लगाने 'नियाजी ब्रदर्स' का आना हुआ। उन्होंने सभी को अपने धुन में रंग दिया। शाम होते-होते उत्सव बॉलीवुड संगीत तो मैं आ गया। अंधेरे और संगीत में मगन सारे उत्सव में ही खो गए और वह दिन वही खत्म हो गया। अगले ही दिन 3 फरवरी 2023 को उत्सव का दूसरा और आखिरी दिन था।

मैं दोपहर 2:00 बजे कॉलेज पहुंच गया। वहां खचाखच भीड़ थी। मुख्य मार्ग पर तो तिल रखने की जगह नहीं थी। छात्र धक्का-मुक्की करते आपस में टकराते चल रहे थे। हम लोगों ने भी भीड का अनुसरण किया। भीतर

तरह-तरह की दुकानें थी। मैं उत्सव का दृश्य देखते आगे बढ़ते जा रहा था। कॉलेज के मैदान में पहुंचते ही मैंने देखा हर छात्र सिर्फ एक ही इंसान का इंतजार कर रहा था "अंकित तिवारी" यह एक इंडियन प्लेबैक सिंगर है जिन्होंने कई हिट गाने गाए है और मैदान में खड़े हर व्यक्ति के इंतजार का कारण यही थे।
छात्र अपने छोटे-छोटे समूह बनाकर उत्सव का आनंद ले रहे थे। कोई नाच कर कोई गाकर।

दिल ढलते ही जिसका सबको इंतजार था वह सब में आया हम सब खुशी के मारे उसका नाम जोर जोर से चिल्लाने लगे अंकित....'अंकित तिवारी' ने अपने गीत गाने शुरू किए और हम सब उसमें खो गए हम सब छात्र ही नहीं कॉलेज के अध्यापक भी अंकित तिवारी के गीतों का आनंद ले रहे थे। गीतों का हर कोई आनंद ले रहा था और रात और अंधेरा बढ़ता जा रहा था। माइक से तरह-तरह की आवाजें निकल रही थी।
सभी आवाज एक दूसरे से टकराकर गूंज रही थी। कहीं सीटी, कहीं चीखे सुनाई दे रही थी।

उत्सव में धूल, धुआं, धक्का और शोर चरम सीमा पर था। फिर भी लोगों को मजा आ रहा था। हर कोई अपनी धुन में था। सभी खुश दिखाई दे रहे थे। मैं उत्सव का एक और चक्कर लगाकर उत्सव परिसर से बाहर निकल आया। जब मैं उत्सव से बाहर आया तो बाहर की दुनिया बिल्कुल शांत थी।
उत्सव पीछे छूट गया पर उत्सव की यादें मेरे मन मस्तिष्क में अभी तक अंकित हैं।
2-3 फरवरी का वाइब्रेशन उत्सव!
मध्य रात्रि के 11:00 बजे में थक कर घर लौटा इस प्रकार यह वार्षिकोत्सव मेरे लिए खुशियां लाया।

सार्थक शर्मा
तृतीय वर्ष

महाविद्यालय का वार्षिक पर्व...
VIBRATION ' 23 -

जिस प्रकार जल, नीर एवं वारी पानी के प्रायः ठीक उसी प्रकार त्यौहार, उत्सव पर्व सभी आपस में पर्याय हैं।
महाविद्यालय का वार्षिक पर्व अर्थात महाविद्यालय में वर्ष में एक बार होने वाला त्यौहार जो और सभी गतिविधियों से सबसे अधिक तथा भिन्न होता है। इसी प्रकार से हमारे महाविद्यालय **'शिवाजी महाविद्यालय'** में भी एक वार्षिक पर्व मनाया जाता है जिसे **'Vibrations'** नाम दिया गया है। जो हर वर्ष बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

इस वर्ष भी यह त्यौहार जिसका नाम **'वाइब्रेशन ' 23'** रखा गया बहुत ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। यह दो दिवसीय पर्व था। इस त्यौहार की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री **'फग्गन सिंह कुलस्ते'** (केंद्र ग्रामीण विकास राज्य मंत्री) तथा हमारे कॉलेज के प्राचार्य सहित सांस्कृतिक समिति की संयोजिका तथा और भी अन्य शिक्षकों तथा छात्रों समेत की गई।

समारोह के शुभारंभ के पश्चात् नियाजी भाइयों का प्रोग्राम आरंभ किया गया। दोनों
भाइयों ने बहुत सी गजलों और सूफी गीतों द्वारा सभी का मन मोह लिया। इन दोनों भाइयों द्वारा अमीर खुसरो की प्रसिद्ध कविता 'छाप तिलक' का भी गायन प्रस्तुत किया गया।

हमारे शिवाजी महाविद्यालय में बहुत सी समितियां है जैसे-

- ❖ एनकरेज (सांस्कृतिक समिति)
- ❖ डिक्टम (वाद-विवाद समिति)
- ❖ बिज़ार (फैशन समिति)
- ❖ सटरबग्स (चलचित्र समिति)
- ❖ फुटलूश (वेस्टर्न डांस समिति)
- ❖ विबग्योर (आर्ट समिति)
- ❖ वयम् (नाट्य समिति)
- ❖ रिवर्ब (संगीत समिति)

इन सभी के अतिरिक्त और भी समितियां है। छात्र अपनी रूचि के अनुसार अलग-अलग समितियों में प्रतिभाग लेते हैं 'Vibrations' 23' में इन

समितियों द्वारा प्रतियोगिताएं रखी गई। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया।

इन सभी प्रतियोगिताओं के बाद शिक्षकों तथा छात्रों द्वारा 'रैम्प वॉक्' किया गया। यह दृश्य देखने में अद्भुत सा प्रतीत हो रहा था मानो फिल्मों में आने वाले मनोरम दृश्य हमारे सामने आ गए हो। इस दृश्य ने छात्रों का उत्साह और भी बढ़ा दिया। समारोह स्थल छात्रों से भरा हुआ था। शाम ढलते-ढलते वहां का दृश्य और भी सुंदर होता गया। स्टेज की सजावट इस प्रकार से की गई थी कि वह शाम के समय और भी सुंदर प्रतीत हो।

इस सब के पश्चात समारोह की शोभा **'मदारी बैंड़'** द्वारा और भी बढ़ गई। 'मदारी बैंड' द्वारा संगीत की प्रस्तुति की गई तथा एक सिंगर द्वारा बहुत से गीत गाए गए। इन सभी गतिविधियों ने छात्रों के उत्साह को चौगुना कर दिया। छात्रों ने गीत और संगीत का खूब लुत्फ उठाया। छात्र-छात्राएं संगीत पर झूम रहे थे। यह दृश्य बहुत ही मनोरम था। सभी छात्र-छात्राओं द्वारा फोन की फ्लैश लाइट जलाकर गायक को उत्साहित किया गया और गायक भी सभी के साथ झूमते नजर आए। मैं भी अपने मित्रों के साथ संगीत की धुन में झूम रहा था। तथा हम सभी ने इस दृश्य का आनंद लिया।

<u>द्वितीय दिवस का विवरण</u>...

दूसरे दिन का शुभारंभ कॉलेज की नाट्य समिति एवं 'वयम्' द्वारा किया गया। वयम् समिति ने प्रतियोगिता आयोजित की। जिसका नाम 'उद्घोष' रखा गया। इस प्रतियोगिता में बहुत से महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया। अलग-अलग महाविद्यालयों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। नुक्कड़ नाटक समाज को संदेश देने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया जाता है। कॉलेज के सभी छात्र छात्राओं ने इन प्रस्तुतियों का आनंद उठाया तथा कुछ शिक्षाएं भी इन नाटकों के माध्यम से सीखी।

इसके पश्चात् सभी छात्र तथा शिक्षक सभागार में उपस्थित हुए। सभागार में रिवर्ब (संगीत समिति) द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्य सहित सभी शिक्षक-गण तथा छात्र-छात्राओं का आगमन हुआ। प्राचार्य सहित अन्य शिक्षकों ने दीप-प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात संगीत समिति द्वारा संगीत की खूबसूरत प्रस्तुति की गई जिसने सबका मन मोह लिया।

सभागार में उपस्थित सभी ने इस दृश्य का आनंद प्राप्त किया। इस तरह से समितियों द्वारा प्रतियोगिताओं का प्रस्तुतीकरण हुआ।

अब बस इंतजार था शाम का क्योंकि इसी शाम की वजह से कॉलेज के छात्र-छात्राओं के भीतर जोश था, उमंग थी। यह शाम सभी के लिए खास थी क्योंकि इस शाम कॉलेज का नजारा ही अलग होने वाला था क्योंकि हमारे कॉलेज में प्रसिद्ध गायक **'अंकित तिवारी'** आने वाले थे। इसी कारण से कॉलेज में दोपहर से ही भीड़ होने लगी थी। शिवाजी कॉलेज के सभी छात्रों की संख्या इतनी विस्तृत है और उस दिन सभी आए थे।

साथ ही साथ दूसरे कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भी कॉलेज के गेट को जाम कर दिया। करीब 15-20 हजार विद्यार्थियों की संख्या में विद्यार्थी गेट पर मौजूद थ रहें। अंत में कॉलेज प्रशासन द्वारा सभी को एंट्री दे दी गई।

शाम होती गई, अंधेरा छाता गया और जिसका बेसब्री से इंतजार था वह भी आ गई। अंकित तिवारी की एंट्री धमाकेदार हुई। उनके आते ही विद्यार्थियों में मानो एक नई उमंग सी पैदा हो गई। सभी जोश में आ गए और जो भी वह गाता सभी उसके साथ-साथ गाते और झूमते नाचते। अंकित तिवारी का स्वागत प्राचार्य द्वारा 'पुष्पगुच्छ' देकर किया गया। फिर सभी ने अंकित तिवारी के गानों पर खूब आनंद उठाया। उनके द्वारा बहुत से गाने गाए गए समारोह स्थल देखने लायक था।

अंकित तिवारी छात्रों का उत्साह देख खुद भी झूमने लगे थे। अंकित तिवारी खुद एक युवा हैं, उन्हें युवाओं के बीच गाना पसंद है उन्होंने करीब 1 घंटे में

10-12 गाने गाए और पूरे माहौल को बदल कर रख दिया। मैंने अपने सभी मित्रों के साथ खूब मस्ती की डांस किया।

छात्रों की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद पुलिस प्रशासन ने भीड़ को कंट्रोल किया और बिना किसी परेशानी के मारे महाविद्यालय का पर सफल बन गया।

अंततः कह सकते हैं कि शिवाजी कॉलेज का वार्षिक पर्व 'वाइब्रेशन'23' सफल रहा। इसका उद्देश्य ही छात्रों की मस्ती था जो कि हुआ। छात्रों ने खूब मौज मस्ती की समितियों ने भी इस समारोह को सफल बनाने में अपना योगदान दिया तथा बहुत से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा की प्रस्तुति भी दी।

अभिषेक वर्मा
तृतीय वर्ष

साथियों की सूची -

1. अंजली नेगी
2. अपूर्वा चौधरी
3. सार्थक शर्मा
4. रजनीश
5. प्रीति
6. शिवा बागड़ी
7. शिव रंजन यादव
8. सारिका
9. नेहा कुमारी
10. अनुपम
11. सत्यम कुमार
12. राधा
13. अभिषेक वर्मा
14. सन्नी
15. देवेंद्र सिंह
16. सूरज झा
17. अज़ीम अख्तर
18. उदित शर्मा
19. मो. ज़ैद अंसारी
20. शुभम
21. शेखर गुप्ता
22. गौरव कुमार
23. कार्तिकेय सिंह
24. राजेश कुमार अग्रहरि
25. तुषार राय
26. विकास चौहान
27. विनय
28. सुमित कुमार
29. विकास कुमार
30. नीतीश कुमार
31. सुरेंद्र यादव
32. अशोक आर्य
33. विकास
34. आरती
35. अखिलेश कुमार पटेल
36. राहुल
37. रश्मि पथोरिया
38. शिवम कुमार
39. तनुप्रिया
40. नेहा
41. राम कुमार
42. रूपाली
43. अनिकेत कुमार
44. रितिका कुमारी
45. तन्नू
46. डिंपल चौधरी
47. शीतल

वाइब्रेशन '23 की कुछ स्मृतियां